(b) if so, whether such successive atrocities on the Budhist minorities have caused large scale exodus into India; and

(c) whether Government will draw the attention of the Budhist world to these Pak. atrocities on Budhist minorities so that their safety and security could be assured?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) to (c). A statement on this subject was laid by me on the Table of the House on August 2, 1967. I may only add that according to press reports, the date of the incident involving the murder of the chief Budhist priest of Rajanagar Behar is July 5, 1967, and not July 5, 1965.

पाकिस्तान में नजरबन्द भारतीय युद्ध बन्दियों की मृत्यु

*1642. **श्री प्रकाशवीर शास्त्री :**
श्री रामावतार शर्मा
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :
श्री महन्त दिग्विजय नाथ :
श्री भारत सिंह चौहान :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ना० स्व० शर्मा :
श्री जि० ब० सिंह :
श्री क० प्र० सिंह देव :
श्री आत्म दास :
डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
श्री रघुवीर सिंह शास्त्री :
श्री शिव कुमार शास्त्री :

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पाकिस्तान में 7 भारतीय युद्धबन्दियों की अस्थियां हाल ही में भारत को दी हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि पाकिस्तान ने उन परिस्थितियों को बताने से इन्कार कर दिया है, जिनमें उन भारतीय युद्धबन्दियों की मृत्यु हुई थी ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार ने उन लोगों की मृत्यु होने के कारणों का पता लगाने के लिये पाकिस्तान की सरकार को कोई पत्र लिखा है ;

(घ) क्या सरकार ने उन लोगों के आश्रितों को मुआवजा दिये जाने के लिये भी पाकिस्तान सरकार से कहा है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसके बारे में पाकिस्तान सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री स्वर्ण सिंह) :(क) जी हां ।

(ख) तथा (ग) . जी नहीं ।

जिन परिस्थितियों में यह चारों भारतीय कैदी निधन प्राप्त हुए, आई० सी० आर० सी० की मार्फत प्राप्त हुए मृत्यु प्रमाण पत्रों में उल्लिखित हैं, जबकि अन्य तीन के संबंध में मृत्यु प्रमाण पत्र प्रतीक्षित हैं । भारतीय रेडक्रास की मार्फत आई० सी० आर० सी० को यह सूचना शीघ्र प्राप्त करने को कहा गया है ।

(घ) तथा (ङ) . जी नहीं ।

युद्धबन्दियों से संगत तीसरे जनेवा सम्मेलन 1949 में ऐसी उपलब्धि नहीं है ।